

प्रेषक:

रोहित नन्दन,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. समस्त जिलाधिकारी
उत्तर प्रदेश।
2. समस्त जिला कार्यक्रम समन्वयक/
मुख्य विकास अधिकारी
उत्तर प्रदेश।

ग्राम्य विकास अनुभाग-7

दिनांक: 31 अक्टूबर, 2008

विषय: राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना-उत्तर प्रदेश के अंतर्गत "भूमि सुधार" परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में।

महोदय

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम-2005 एवं दिशा निर्देश के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कृषि उत्पादन की सुनिश्चिता एवं अधिकतम उत्पादन के उद्देश्य से "भूमि सुधार" परियोजना क्रियान्वित किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका वित्त पोषण राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना से किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि योजना की रूपरेखा एवं क्रियान्वयन के विभिन्न स्तरों के दिशा निर्देश निम्नवत् होंगे:-

1. योजना का नाम :

इस योजना को "भूमि सुधार" परियोजना के नाम से क्रियान्वित किया जायेगा।

2. योजना का स्वरूप और उद्देश्य :

2.1 ग्रामीण विकास के लिए कृषि उत्पादन की सुनिश्चितता तथा अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना आवश्यक है। यह तथ्य ग्रामीण क्षेत्रों के उन कृषकों के लिए और भी प्रासंगिक हो जाता है, जिनकी कृषि जोत का आकार छोटा है। अतः उपलब्ध कृषि भूमि/कृषि योग्य परती भूमि के समुचित उपयोग तथा इससे अधिकतम उत्पादन के लिए मिट्टी व जल संरक्षण तथा संवर्धन के उपाय अपनाने के साथ-साथ भूमि का विकास भी किया जाना आवश्यक है।

2.2 राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना— उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य व्यापक पैमाने पर किये जा रहे हैं। इनके साथ अगर भूमि विकास/भूमि सुधार का कार्य भी किया जाये तो ग्रामों में उपलब्ध कृषि भूमि/कृषि योग्य परती भूमि के समुचित उपयोग तथा इससे इष्टतम उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

2.3 “भूमि विकास” के अंतर्गत समोच्च रेखीय बाँध, समतलीकरण, पेरीफेरल/मार्जिनल बाँध, अवरोध बाँध, जल संचय बाँध, बैच टेरेसिंग तथा मेड़ बंधान एवं ऊसर सुधार एक उपयुक्त गतिविधि है।

2.4 इस योजना के क्रियान्वयन से निम्न उद्देश्यों की पूर्ति हो सकेगी :-

(1) मिट्टी के कटाव को रोककर तथा मृदा में नमी संरक्षण/जल संरक्षण के द्वारा कृषि भूमि का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा तथा कृषि योग्य परती भूमि को भी कृषि हेतु उपयोगी बनाया जा सकेगा।

(2) कृषकों के पास उपलब्ध भूमि की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी।

3. नरेगा के प्राविधानों से आच्छादन :

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के शेड्यूल -1 के तहत पैरा 4 में वर्णित श्रेणी के लाभार्थियों की भूमि पर भूमि विकास कार्य लिए जा सकते हैं। भारत सरकार द्वारा योजना के लिए जारी कार्यकारी निर्देश-2008 के पैरा 6.1.1(iv) तथा (vi) के अंतर्गत योजना में प्रस्तावित कार्य की अनुमन्यता दी गयी है।

4. योजना के लाभार्थी :

4.1 राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट की अनुसूची-1 की संशोधित प्रस्तर-1 (IV) (ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 6 मार्च 2007) में निम्न वर्ग के लाभार्थियों द्वारा धारित भूमि के भूमि विकास/भूमि सुधार का प्रावधान किया गया है :-

- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के परिवार
- गरीबी रेखा के नीचे के परिवार
- भूमि सुधार (Land Reforms) के लाभार्थी
- इंदिरा आवास योजना के लाभार्थी

5. लाभार्थी की चयन की प्रक्रिया :

प्रत्येक ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में निवासरत परिवारों का विश्लेषण कर पैरा – 4.1 में उल्लेखित वर्गों के उपयुक्त लाभार्थी परिवारों में से ऐसे लाभार्थी परिवार जो स्वयं के धारित भूमि पर उपरोक्त संरचनाओं का निर्माण अथवा ऊसर सुधार का कार्य कराना चाहते हैं, उनसे **संलग्नक – 1** में दर्शाये गये प्रपत्र पर आवेदन प्राप्त करेगी। लाभार्थी अपना आवेदन प्रोग्राम अधिकारी (खण्ड विकास अधिकारी), जिला कार्यक्रम समन्वयक तथा योजना के लिए इंगित लाईन विभाग को भी दे सकते हैं।

6. कार्य योजना/प्रोजेक्ट बनाने व स्वीकृत किये जाने की प्रक्रिया :

6.1 उक्त संरचनाओं/कार्यों का नियोजन एवं निष्पादन 0.5 से 1.0 प्रतिशत ढाल के क्षेत्र में किया जाता है। 1.0 प्रतिशत से 3.00 प्रतिशत ढाल के क्षेत्र में समतलीकरण अथवा सीढ़ीदार खेती/बेंच टेरसिंग का कार्य किया जाता है। ऊसर प्रभावित जनपदों में ऊसर सुधार का कार्य किया जा सकता है।

6.2 लाभार्थियों के चयन के उपरांत ग्राम पंचायत के प्रधान, पंचायत सचिव तथा कृषि विभाग/भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों द्वारा लाभार्थी द्वारा प्रस्तुत आवेदन में संस्तुति की गई भूमि के स्वामित्व तथा वर्तमान स्थिति का परीक्षण किया जायेगा। उपरोक्तानुसार परीक्षण के उपरांत तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा भूमि सुधार/कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर संरचनाओं/कार्य के डिजाईन, लंबाई तथा क्षेत्रफल का निर्धारण कर प्राक्कलन तैयार किया जायेगा। संरचनाओं के अलाइनमेंट व निर्धारित डिजाईन तथा प्रस्तावित कार्य के संबंध में लाभार्थी की सहमति अवष्य प्राप्त की जायेगी।

6.3 संरचनाओं के निर्माण/ऊसर सुधार कार्य के लिए ध्यान में रखे जाने वाले महत्वपूर्ण बिन्दु व मानकों का उल्लेख **संलग्नक – 2** में किया गया है। मेंड़ बंधी के लिए सामान्य एवं तकनीकी निर्देश **संलग्नक –3** पर हैं।

6.4 उपरोक्त आधार पर तैयार प्राक्कलन तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता/ लाईन विभाग द्वारा **संलग्नक –4** पर दर्शाये गये प्रपत्र में लाभार्थी वार, संरचना की डिजाईन, मात्रा व कार्यक्षेत्र का

- उल्लेख करते हुए तैयार किये गये प्राक्कलन संलग्न कर प्रस्तावित कार्यों के अनुमोदन हेतु अपनी संस्तुति के साथ ग्राम पंचायत को प्रेषित करेंगे।
- 6.5 संस्तुति प्राप्त होने के बाद ग्राम पंचायत अपनी बैठक आयोजित कर योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों को अनुमोदित करेगी। तत्पश्चात ग्राम पंचायतवार तैयार कार्ययोजना में प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत से कराया जावेगा। जिला, ब्लाक एवं ग्राम पंचायत का अनुमोदन अनिवार्य होगा। त्रिस्तरीय पंचायत से अनुमोदन के उपरांत कार्ययोजना में प्रस्तावित कार्यों को नरेगा के “शेल्फ आफ प्रोजेक्ट” में शामिल किया जायेगा।
- 6.6 **कार्य की स्वीकृतियां :** परियोजना के तहत प्रस्तावित कार्यों की प्रशासकीय व तकनीकी स्वीकृति, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना— उत्तर प्रदेश के तहत समय समय पर जारी निर्देशों के प्राविधानों के अनुरूप जारी की जायेगी। प्रशासकीय स्वीकृति लाभार्थी वार पृथक पृथक प्रदान की जायेगी। कुल लागत की रू. 2.00 लाख की सीमा तक की समस्त स्वीकृति ग्राम पंचायत द्वारा प्रदत्त की जायेगी।
7. **फण्ड फ्लो का विवरण :**
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी कार्यकारी निर्देश—2008 के पैरा 8.3.2 के प्राविधानों के अनुसार धनराशि का स्थानांतरण जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा ग्राम पंचायतों को किया जायेगा। ग्राम पंचायतें स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष लाभार्थी के खेतों पर कार्य कराएगी। लाभार्थी परिवार के सदस्यों द्वारा स्वयं भी मजदूरी की जा सकती है। योजना के अंतर्गत कार्य करने वाले सभी मजदूरों को मजदूरी का भुगतान बैंक अथवा पोस्ट आफिस में खुले खाते के माध्यम से किया जायेगा।
8. **सामग्री की व्यवस्था :**
योजनांतर्गत वांछित सामग्री का क्रय एवं व्यवस्था ग्राम पंचायत द्वारा की जायेगी। ऊसर सुधार में प्रयुक्त होने वाले जिप्सम की व्यवस्था लाईन विभागों की मदद से की जाएगी।
9. **तकनीकी पर्यवेक्षण :**
- 9.1 परियोजना के तहत कार्य हेतु तकनीकी सहयोग कृषि विभाग/भूमि सुधार विभाग/U.P.D.A.S.P /भूमि विकास निगम के अधिकारियों द्वारा प्रदान किया जायेगा।

10. रिपोर्टिंग व अनुश्रवण की व्यवस्था

- 10.1 योजना के तहत प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बरतने, निगरानी, मूल्यांकन, कार्य की माप, मजदूरी का भुगतान, रिकार्ड एवं लेखा रख-रखाव तथा अन्य अभिलेखों के रख-रखाव के संबंध में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना- उत्तर प्रदेश के तहत समय समय पर जारी निर्देशों के प्रावधान यथावत लागू होंगे।
- 10.2 कार्य के पूर्ण होने पर लाभार्थी से कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जायेगा, जिस पर प्रधान/ग्राम पंचायत सचिव के साथ तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता के द्वारा कार्य की पूर्णता प्रमाणित कर कार्य पूर्ति प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किया जायेगा। तदोपरांत कार्यपूर्ति प्रमाण-पत्र की एक प्रति ग्राम पंचायत स्तर पर एवं एक प्रति विकास खण्ड में रखी जायगी।
- 10.3 परियोजना के अनुश्रवण हेतु मुख्य विकास अधिकारी जनपद स्तर पर उत्तरदायी होंगे। मुख्य विकास अधिकारी/जिला कार्यक्रम समन्वयक (नरेगा) द्वारा कम से कम परियोजना के 10 प्रतिशत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराया जायगा।
- 10.4 खण्ड विकास अधिकारी द्वारा अपने विकासखण्ड के अंतर्गत कार्यों का शात-प्रतिशत निरीक्षण कराया जायगा। योजना के कार्यों की प्रगति की जानकारी संलग्नक-5 में दर्शाये गये प्रपत्र में प्रत्येक माह की 07 तारीख को आयुक्त ग्राम्य विकास को प्रेषित की जायेगी।

11. लाभार्थी के दायित्व व अधिकार :

- 11.1 लाभार्थी क्रियान्वित किये जा रहे कार्यों से जुड़कर इनका गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करायेंगे। लाभार्थी स्वयं के द्वारा धारित भूमि पर स्वयं भी कार्य कर सकेंगे। निर्मित संरचना के रख रखाव का दायित्व संबंधित लाभार्थी का होगा। अतः इस संबंध में ग्राम पंचायत द्वारा लाभार्थी को स्पष्ट निर्देश कार्य प्रारंभ होने के पूर्व ही दे दिया जायगा।

12. ग्राम पंचायत के दायित्व :

ग्राम पंचायत प्राविधानों के अनुरूप पात्र लाभार्थियों का चयन करेगी। चयनित लाभार्थियों द्वारा वांछित कार्य की कार्य योजना तैयार कराएगी। तैयार कार्य योजना पर वांछित तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करने के उपरान्त निर्धारित सीमा के अंतर्गत समस्त स्वीकृति प्रदान करेगी। कार्य से संबंधित मस्टर रोल को नरेगा MIS पर अपलोड कराएगी।

13. क्षेत्र पंचायत के दायित्व :

ग्राम पंचायतों से प्राप्त कार्य योजना को प्राविधानों के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान करते हुए जिला पंचायत को अपनी संस्तुति/मंतव्य सहित अग्रसारित करेगी।

14. संबंधित लाइन विभाग का दायित्व :

परियोजना के निर्माण तथा क्रियान्वयन में लाईन विभाग द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा।

कृपया उक्त परियोजना के क्रियान्वयन हेतु समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

संलग्न : उपरोक्तानुसार।

भवदीय,



(रोहित नन्दन)
प्रमुख सचिव

संख्या-2593 (1)/38-7-2008 तद्दिनांक

प्रतिलिपि- निम्नलिखिता को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) निजी सचिव, प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन।
- (2) निजी सचिव, मा0 मंत्री, ग्राम्य विकास, उत्तर प्रदेश शासन।
- (3) स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
- (4) स्टाफ ऑफिसर, कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन।
- (5) प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (6) प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (7) प्रमुख सचिव, वन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (8) प्रमुख सचिव उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (9) प्रमुख सचिव, खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (10) प्रमुख सचिव, रेशम विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (11) प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (12) प्रमुख सचिव, लघु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (13) प्रमुख सचिव, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
- (14) प्रमुख सचिव, भूमि विकास एवं जल संसाधन, उत्तर प्रदेश शासन।
- (15) आयुक्त, ग्राम्य विकास, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- (16) प्रमुख अभियन्ता सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश।
- (17) प्रमुख अभियन्ता, लघु सिंचाई, उत्तर प्रदेश।
- (18) प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश।
- (19) निदेशक, उद्यान, उत्तर प्रदेश।
- (20) निदेशक, खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश।
- (21) निदेशक, मत्स्य, उत्तर प्रदेश।
- (22) निदेशक, भूमि विकास एवं जल संसाधन, उत्तर प्रदेश।
- (23) समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
- (24) गार्ड बुक।

आज्ञा से,



(आर० पी० सिंह)
अनुसचिव।

i fj; kstuk grq vkonu dk i k: i

I  k e 

i/kku@i kskte vf/kdkjh@ftyk dk; b e l elo; d@ykb u foHkkx
xte i  k; r -----
fodkl [k.M -----
ftyk -----

fo" k; % i fj; kstuk ds vrxr dk; Z@fuekZ k grq vkonuA

e  i fj; kstuk ds vrxr vi us Lokfero okyh Hkfe ds fodkl @ l j l  kkj grq dk; Z
djokuk pkgrk g  e j Hkfe ds [kl jk dh i fr@[krkuh@fdl ku cgh dh i frfyfi
l  yXu g  vU; vko' ; d foj.k fuEukuq kj gS %&

- 1- vkond dk uke % -----
- 2- fir k@i fr dk uke % -----
- 3- xte i  k; r % -----
- 4- /kkfjr dgy Hkfe dk jdck %----- gDV\$ j
- 5- [kl jk ucj % ----- ftl e  mDr dk; Z dk
fuekZ k i Lrkfor g 
- 6- dgy jdck ftl ij ; kstuk vrxr dk; Z i Lrkfor gS % -----

mi jkDrkuq kj fufez l  puk@dk; Z ds j [k j [kko dk nkf; Ro e k Lo; a dk gksxkA

ykhkkFkhZ ds gLrk{kj @
vaxBk fu' kkuh

eñkuh {ks=ka ea Hkife fodkl grq fofHku dk; zenka dh i fr gDVş j ykxr dk
fooj .k

¼100 g0 {ks= fo'ksk ds fy, ½

i Lrkfor fofHku mi pkjs dh fof'kf"V; kW, oa vKx.ku

1. I ekPp js[kh; ckWk :-(30 g0 grq)

¼1½	fof'kf"V; kW :	
	'kh"KZ ry	0.45 eh0
	Vk/kkj	1.65 eh0
	Åpkbz	0.60 eh0
	lkk' oZ <ky	1:1
	vuij Lr dkV	0.63 eh0 ²
¼2½	yEckbz i fr g0	130 eh0
¼3½	clq enk dk; l	81.90 ?ku eh0
¼4½	eMcnh dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 2500
	i fr ekuo fnol ¼25 ekuofnol ½	
	3-30 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njş h dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½	: 0 187.50
(l)	?kkl jki .k , oa i kŞkks dh ykxr	: 0 265.00
(n)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 250.00
	clq ykxr	: 0 3202.50
	vFkkZr	: 0 3200.00@g0
	dk; l dh clq ykxr 3200X30 =	: 0 96000.00

2- I eryhdj.k :- (35 g0 ds fy,)

(1)	fof'kf"V; kW :	
(v)	enk dh [kpkbz] Hkj; h , oa	
	, oa ckWk fuekZ k	
	¼17 l eh0 vKş r [kpkbz 25 % {ks= e½	425 ?ku eh0
(c)	0.701 oxl eh0 ekv/s ckWk dh yEckbz	125 eh0
(l)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 12700
¼2½	I eryhdj.k dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 15450.00
	i fr ekuo fnol ¼154.5 ekuofnol ½	
	2-75 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njş h dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½	: 0 1150.00
(l)	?kkl jki .k , oa i kŞkks dh ykxr	: 0 400.00
(n)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 3000.00
	clq ykxr	: 0 20000.00
	dk; l dh clq ykxr 20000X35 =	: 0 700000.00

3. i j h Q j y @ e k f t l u y c k W k :- (20 g 0 g r q)

1/4 1/2	fof'kf'V; kW : 'kh'kZ ry vk/kkj m\p\kbZ ik' oZ <ky vuq LFk dkV	0.60 eh0 3.60 eh0 1.5 eh0 1.5 : 1 2.10 eh0 ²
1/2 1/2	yEckbz i fr g0	55 eh0
1/3 1/2	dqy enk dk; l	115.50 ?ku eh0
1/4 1/2	eM\en\ dh ykxr (v) enk dk; l dh ykxr : 0 100 ifr ekuo fnol 1/35 ekuofnol 1/2 3-30 ?ku eh0 ifr fnu dh nj l s (c) nj\ h dh ykxr 1/2enk dk; l dk 7.5% rd 1/2 (l) ?kkl jki .k , oa i k\kks dh ykxr (n) i Ddh l j p u k dh ykxr	: 0 3500 : 0 262.50 : 0 365.00 : 0 1375.00
	dqy ykxr	: 0 5502.50
	vFkkZr	: 0 5500.00@g0
	dk; l dh dqy ykxr 5500X20 =	: 0 110000.00

4. v o j k s ' k c k W k :- (10 g 0 { k s = g r q)

(1)	fof'kf' V; kW: 1/5 g0 {ks= rFkk 1-50 eh0 xg j k b z r d i k u h H k j u s g r q 'kh'kZ ry vk/kkj A\p\kbZ lkk' oZ <ky vuq LFk dkV	2.50 eh0 12.50 eh0 2.50 eh0 2:1 18.75 eh0 ²
(2)	yEckbz i fr g0	44 eh0
(3)	dqy enk dk; l	825.50 ?ku eh0
(4)	eM\en\ dh ykxr (v) enk dk; l dh ykxr : 0 100 ifr ekuo fnol 1/317 ekuofnol 1/2 2-60 ?ku eh0 ifr fnu dh nj l s (c) nj\ h dh ykxr 1/2enk dk; l dk 7.5% rd 1/2 (l) ?kkl jki .k , oa i k\kks dh ykxr (n) i Ddh l j p u k dh ykxr	: 0 31700 : 0 2400.00 : 0 400.00 : 0 40500.00
	dqy ykxr	: 0 75000.00
	vFkkZr	: 0 15000.00@g0
	dk; l dh dqy ykxr 15000X10 =	: 0 150000.00

5. t y l p ; c k W k :- (5 g 0 { k s = g r q)

- (1) fof'kf"V; kW: ¼15 g0 {ks= grq ½
'kh"z ry 3 eh0
vk/kkj 20.50 eh0
Åp"bz 3.50 eh0
lkk' oZ <ky 2.5:1
vuq LFk dkV 41.125 eh0²
- (2) yEckbz i fr g0 75 eh0
- (3) dgy enk dk; l 3084.38 ?ku eh0
- (4) eM"enh dh ykxr
(v) enk dk; l dh ykxr : 0 100 : 0 131250.00
ifr ekuo fnol ¼1312-5 ekuofnol ½
2-35 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s
(c) njš h dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½ : 0 9800.00
(l) ?kkl jki .k , oa i kš"ks dh ykxr : 0 2015.00
(n) i Ddh l j"puk dh ykxr : 0 126950.00
- dgy ykxr : 0 **270015.00**
vFkk"r : 0 **18000.00@g0**
dk; l dh dgy ykxr **18000X5 = : 0 90000.00**

100 g0 {ks= dh dgy ykxr

d0l 0	fooj .k	{ks=@%g0½	ifr %g0½ ykxr	dgy ykxr ¼ 0½
1	l ek"p jš[kh; ckWk	30	3200	96000.00
2	l eryhdj .k	35	20000	700000.00
3	i jhQjy@ekftLuy ckWk	20	5500	110000.00
4	vojksk ckWk	10	15000	150000.00
5	ty l p; ckWk	5	18000	90000.00
	dgy ; ks	100		1146000.00

chgM- , oa folu/; {ks= ea Hkfe fodkl grq fofHklu dk; zenka dh i fr gDV; j
 ykxr dk fooj.k

1/100 g0 {ks= fo'ksk ds fy, 1/2

i Lrkfor fofHklu mi pkjks dh fof'kfV; kW, oa vkk.ku

1. I ekpp js[kh; ckWk :-(10 g0 grq)

1/1 1/2	fof'kfV; kW :	
	'kh'kZ ry	0.45 eh0
	vk/kkj	2.85 eh0
	ÅpkbZ	0.60 eh0
	lkk' oZ <ky	2:1
	vuq LFk dkV	0.99 eh0 ²
1/2 1/2	yEckbZ i fr g0	135 eh0
1/3 1/2	dqy enk dk; l	133.65 ?ku eh0
1/4 1/2	eMenh dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 4100
	i fr ekuo fnol 1/41 ekuofnol 1/2	
	3-30 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njsh dh ykxr 1/2enk dk; l dk 7.5% rd1/2	: 0 307.50
(l)	?kkl jki .k , oa i kS'kks dh ykxr	: 0 345.00
(n)	i Ddh l j'puk dh ykxr	: 0 250.00
	dqy ykxr	: 0 5002.50
	vFkkZ	: 0 5000.00@g0
	dk; l dh dqy ykxr 5000X10 =	: 0 50000.00

2. I eryhdj.k :- (10 g0 ds fy,)

(1)	fof'kfV; kW :	
(v)	enk dh [kqpkbZ] Hkj;k; h , oa	
	, oa ckWk fuekZ k	
	1/17 l eh0 vkS' r [kqpkbZ 25 % {ks= e1/2	425 ?ku eh0
(c)	0.701 oxl eh0 eks'v ckWk dh yEckbZ	125 eh0
(l)	i Ddh l j'puk dh ykxr	: 0 12700
1/2 1/2	I eryhdj.k dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 15450
	i fr ekuo fnol 1/154-5 ekuofnol 1/2	
	2-75 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njsh dh ykxr 1/2enk dk; l dk 7.5% rd1/2	: 0 1150.00
(l)	?kkl jki .k , oa i kS'kks dh ykxr	: 0 400.00
(n)	i Ddh l j'puk dh ykxr	: 0 3000.00
	dqy ykxr	: 0 20000.00
	dk; l dh dqy ykxr 20000X10 =	: 0 200000.00

3. tyHkjko ckWk :-(5 g0 grq)

¼1½	fof'kf'V; kW :	
	'kh'kZ ry	0.50 eh0
	vk/kkj	3.50 eh0
	Åp'kbZ	1.00 eh0
	ik'oz <ky	1.5 : 1
	vuiq LFk dkV	2.00 eh0 ²
½2½	yEckbz i fr g0	85 eh0
¼3½	dy enk dk; l	170.00 ?ku eh0
¼4½	eM'enh dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 5650.00
	i fr ekuo fnol ¼56-5 ekuofnol ½	
	3-30 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njsh dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½	: 0 425.00
(l)	?kkl jki .k , oa i k'kks dh ykxr	: 0 550.00
(n)	i Ddh l j'puk dh ykxr	: 0 1375.00
	dy ykxr	: 0 8000.00
	vFkkZ	: 0 8000.00@g0
	dk; l dh dy ykxr 8000X5 =	: 0 40000.00

4- ijhQjy@ekftLuy ckWk :-(15 g0 grrq)

¼1½	fof'kf' V; kW :	
	'kh'kZ ry	1.00 eh0
	vk/kkj	4.75 eh0
	Åp'kbZ	1.25 eh0
	lk'oz <ky	1.5 : 1
	vuiq LFk dkV	3.60 eh0 ²
½2½	yEckbz i fr g0	55 eh0
¼3½	dy enk dk; l	198.00 ?ku eh0
¼4½	eM'enh dh ykxr	
(v)	enk dk; l dh ykxr : 0 100	: 0 6600.00
	i fr ekuo fnol ¼66 ekuofnol ½	
	3-30 ?ku eh0 i fr fnu dh nj l s	
(c)	njsh dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½	: 0 495.00
(l)	?kkl jki .k , oa i k'kks dh ykxr	: 0 530.00
(n)	i Ddh l j'puk dh ykxr	: 0 1375.00
	dy ykxr	: 0 9000.00
	vFkkZ	: 0 9000.00@g0
	dk; l dh dy ykxr 9000X15 =	: 0 135000.00

5. l h<h nkj [krh (c'p Vjfl x):- (15 g0 ds fy,)

(1) fof'kf'V; kW :

(v)	enik dh [kpkbz] Hkj k; h , oa , oa ckWk fuekZ k 1/17 l eh0 vkS r [kpkbz 25 % {ks= e½	550 ?ku eh0
(c)	0.701 oxl eh0 ekv/s ckWk dh yEckbz	78.12 ?ku eh0
(l)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 12700
1/2½	ykxr	
(v)	enik dk; l dh ykxr : 0 100 ifr ekuo fnol 1/200 ekuofnol ½ 2-75 ?ku eh0 ifr fnu dh nj l s	: 0 20000.00
(c)	njS h dh ykxr 1/enik dk; l dk 7.5% rd½	: 0 1500.00
(l)	?kkl jki .k , oa i kS'kks dh ykxr	: 0 255.00
(n)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 3250.00
	dgq ykxr	: 0 25005.00
	vFkkZ	: 0 25000.00@g0
	dk; l dh dgq ykxr 25000X15 =	: 0 375000.00

6. vojks'k ckWk :-(30 g0 {ks= gsrq)

(1)	fof'kf"V; kW: 1/15 g0 {ks= gsrq ½ 'kh"Z ry vk/kkj Åpkbz i k' oZ <ky vuq LFk dkV	2.50 eh0 12.50 eh0 2.50 eh0 2:1 18.75 eh0 ²
(2)	yEckbz ifr g0	44 eh0
(3)	dgq enik dk; l	825.50 ?ku eh0
(4)	eMcanh dh ykxr	
(v)	enik dk; l dh ykxr : 0 100 ifr ekuo fnol 1/317 ekuofnol ½ 2-60 ?ku eh0 ifr fnu dh nj l s	: 0 31700.00
(c)	njS h dh ykxr 1/enik dk; l dk 7.5% rd½	: 0 2400.00
(l)	?kkl jki .k , oa i kS'kks dh ykxr	: 0 400.00
(n)	i Ddh l jpkuk dh ykxr	: 0 40500.00
	dgq ykxr	: 0 75000.00
	vFkkZ	: 0 15000.00@g0
	dk; l dh dgq ykxr 15000X30 =	: 0 450000.00

7. fjpktZ vojks'k ckWk@ty l p; ckWk :-(15 g0 {ks= gsrq)

(1)	fof'kf"V; kW: 1/15 g0 {ks= gsrq ½ 'kh"Z ry	3 eh0
-----	---	-------

- vk/kkj 20.50 eh0
- Åpkl 3.50 eh0
- i k' ol <ky 2.5:1
- vuq LFk dkV 41.125 eh0²
- (2) yEckbz i fr g0 75 eh0
- (3) dgy enk dk; l 3084.38 ?ku eh0
- (4) eMcanh dh ykxr
 - (v) enk dk; l dh ykxr : 0 100 : 0 131250.00
 - ifr ekuo fnol ¼1312.5 ekuofnol ½
 - 2-35 ?ku eh0 ifr fnu dh nj l s
 - (c) njs h dh ykxr ¼enk dk; l dk 7.5% rd½ : 0 9800.00
 - (l) ?kkl jki .k , oa i k'kks dh ykxr : 0 2015.00
 - (n) i Ddh l jpuK dh ykxr : 0 126950.00
- dgy ykxr : 0 270015.00
- vFkkir : 0 18000.00@g0
- dk; l dh dgy ykxr 18000X15 = : 0 270000.00

100 g0 {k= dh dgy ykxr

d0l 0	fooj .k	{k=@%g0½	ifr %g0½ ykxr	dgy ykxr ¼: 0½
1	l ekPp js[kh; ckWk	15	5000	75000.00
2	l eryhdj .k	10	20000	200000.00
3	tyHkjko ckWk	5	8000	40000.00
4	i jhQjy@ekftLuy ckWk	10	9000	90000.00
5	l h<h nkj [krh	15	25000	375000.00
6	vojks/k ckWk	30	15000	450000.00
7	fjpkftx vojks/k ckWk@ty l p; ckWk	15	18000	270000.00
	; ksx	100		1500000.00

ऊसर सुधार योजना का विवरण

ऊसर सुधार कार्य हेतु ऐसी भूमि चयनित की जायेगी जहाँ पर पी0एच0 मान 8.5 से अधिक हो, सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तथा भू-जल 2.0 मीटर से नीचे हो, क्रिटिकल एवं सेमी क्रिटिकल विकास खण्ड में सिंचाई के सुनिश्चित साधन विकसित हो सके तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था विद्यमान हो। सामान्य रूप से सुधार हेतु ऊसर भूमि को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

“अ” श्रेणी— ऊसर भूमि जिसमें कम उत्पादन के साथ वर्ष में दो फसलें ली जा रही है।

“ब” श्रेणी— भूमि जिसमें क्षारीयता के कारण वर्ष में केवल एक ही फसल ली जा रही है।

“स” श्रेणी— भूमि जिसमें अत्याधिक क्षारीयता के कारण कोई भी फसल नहीं ली जा रही है।

उपरोक्त आधार पर चयनित भूमि में मृदा परीक्षण के आधार पर संस्तुत मात्रा में मृदा सुधारक (जिप्सम) का प्रयोग किया जाय। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जनपद में सुधार हेतु चयनित क्षेत्र में औसतन 5 मै0 टन जिप्सम प्रति हेक्टेयर तक का प्रयोग हो। बोरिंग/पम्प सेट की व्यवस्था जनपदों में संचालित लघु सिंचाई विभाग की निःशुल्क बोरिंग योजना से डवटेल कर करायी जायेगी।

ऊसर सुधार में निम्नलिखित कार्य किये जायेंगे :-

- प्रक्षेत्र विकास कार्य जिसमें मेड़बन्दी, समतलीकरण, सिंचाई नाली एवं फील्ड ड्रेन का निर्माण सम्मिलित है।
- लिंक ड्रेन का निर्माण।
- बोरिंग/पंपसेट व्यवस्था।
- जिप्सम का प्रयोग एवं लीचिंग।
- हरीखाद हेतु ढ़ेंचा की बुवाई।
- खरीफ में धान की खेती।

ऊसर सुधार कार्यक्रम की प्रति इकाई लागत का विश्लेषण

क्र० सं०	मद का नाम	इकाई	लागत प्रति इकाई(रु०)
1	ऊसर सुधार कार्यक्रम		
	प्रथम वर्ष के कार्य		
अ-	प्रक्षेत्र विकास कार्य (बंडिंग, समतलीकरण, सिंचाई नाली, फील्ड ड्रेन निर्माण)	हे०	7500.00
	लिनक ड्रेन निर्माण	हे०	3000.00
	बोरिंग व्यवस्था	हे०	700.00
	जिप्सम का प्रयोग (औसत 5 टन/हे०)	हे०	12000.00
	द्वितीय वर्ष के कार्य		
ब-	जिप्सम मिक्सिंग एवं लीचिंग	हे०	400.00
	हरी खाद हेतु ढैंचा की खेती (60 किग्रा बीज /हे० एवं एक सिंचाई)	हे०	1600.00
	धान की फसल पर कृषि निवेश	हे०	3000.00
	योग		28200.00

ऊसर सुधार कार्यक्रम हेतु प्रस्तावित कार्ट नार्म के आधार का विवरण

1- प्रक्षेत्र विकास

(अ) फील्ड बंड

1 हे० में बॉध की लम्बाई	=	300 मी०
बॉध का सी०एस०	=	0.27
मृदा कार्य (0.27 X 300)	=	81 घन मी०
मूल्य (81 X 35.09)	=	रु० 2842.29

(ब) सिंचाई नाली

1 हे० में नाली की लम्बाई	=	150 मी०
नाली का सी०एस०	=	0.54
मृदा कार्य (0.54 X 150)	=	81 घन मी०
मूल्य (81 X 35.09)	=	रु० 2842.29

(स) फील्ड ड्रेन

1 हे० में ड्रेन की लम्बाई	=	150 मी०
नाली का सी०एस०	=	0.27
मृदा कार्य (0.27 X 150)	=	40.50 घन मी०
मूल्य (40.50 X 35.09)	=	रु० 1421.14

(द) समतलीकरण(स्कैपिंग) = रु० 400

कुल योग = 7505 प्रति हे०

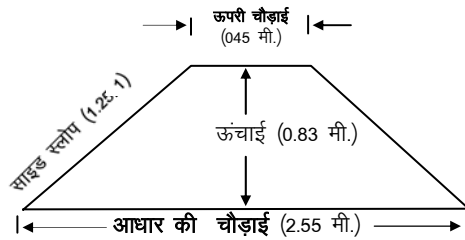
eM+ca'kku dh fMtkbZ ds fu/kkZ .k o fuekZk ds I ca'k ea
egROI w kZ fcUnq o ekud

mi ; Prrk %

eM+ca'kku ds fuekZk ds fy, 0-5 l s 3-0 ifr'kr <ky okyk {k= mi ; Pr gkrk gA
I keku; r% eM+ca'kku ijeh, cy feV-Vh ¼Alluvial, Red, Laterite, Shallow and Medium Black Soil½
ea vR; ar i Hkkoh gkrh gA

vkdkj o fMtkbZ %

izkf=; eM+ca'kku I keku; r% Vsi kstk; My vkdkj ds cuk; s tkrs gA tS k fd uhrs fp=
ea fn[kk; k x; k gS %



eM+ca'kku dh fMtkbZ r; djus ds fy, fuEu ekudka dk fu/kkZ .k djuk gksxk%

- 1- eM+dh ÅpkbZ
- 2- eM+ds vk/kkj dh pkMtkbZ
- 3- eM+ds Åij dh pkMtkbZ
- 4- eM+ds I kbM Lyksi ¼fdujkka dk <ky½
- 5- o"kkZ ds I e; vfrfjDr ty dks ckj fudkyus ds fy, eM+ca'kku ea ty fudkl
dh 0; oLFkk

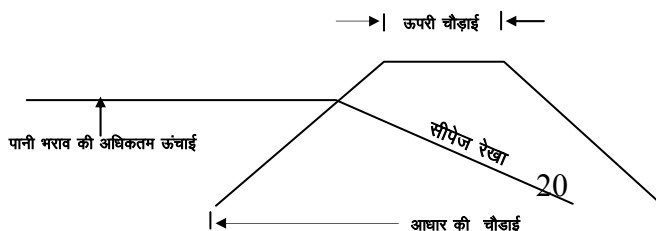
ekud %&

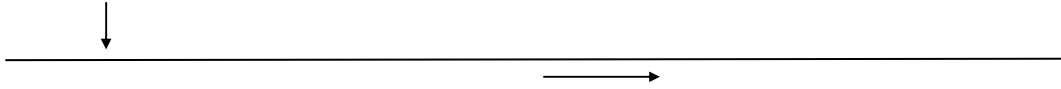
eM+ ca'kku dh fMtkbZu r; djus ds fy, mDr dkj dka dk fu/kkZ .k fuEukuq kj rkfydk ea n'kkZ; s x; s I kadfrd ekudka 1/2 feV/h dh xgjkbl o i'xkj ij vk/kkfjr 1/2 dks I nHkZ ea yxj fd; k tk I drk gS %&

dD I D	ca'k	enk fdLe	fof' k"V; kW				
			'kh"KZ ehVj	vk/kkj ehVj	ÅpkbZ ehVj	cktwdk <ksy	dkl I D'ku oxZ eh0
1	eM+ ca'kku	I kekl;	0-30	1-65	0-45	1-5%	0-438
	1/2 QHYM cfMax@	fpduh feV/h	0-45	1-65	0-60	1-0%	0-63
	I ekP; js[kh; ca'k 1/2	nkeV feV/h	0-45	2-25	0-60	1-5%	0-81
		Ckygh feV/h	0-45	2-85	0-60	2-0%	0-99

eM+ ca'kku dh fMtkbZu r; djus ds fy, mijkDrkuq kj rkfydk ea n'kkZ; s x; s ekud dny I kadfrd gA LFkkuh; ifjLFkfr dh fof' k"Vrkvka 1/2 feV/h dk i'xkj@xgjkbl {ks= dk <ky] ju vkfD dh ek=k bR; kfn 1/2 ds vuq i i'Fkd ekud viukdj eM+ ca'kku dh fMtkbZu fu/kkfjr dh tk I drh gA bl ds fy, fuEu ckrka dks /; ku ea j [kk tk; s %&

- 1- eM+ ca'kku dh ÅpkbZ bruh gkuh pkfg, fd 10 o"KZ vkofRr ds 24 ?ka/ka ea gkus okyh vf/kdre o"KZ dks vius Hkhrj jksd I dA eM+ ca'kku dh okLrfod ÅpkbZ dk fu/kkZ .k vkdfyr ÅpkbZ ea 20% vfrfjDr ÅpkbZ Yh&ckMZ gsrq rFkk 15 I s 20% vfrfjDr ÅpkbZ feV/h ds dUl kfyM's ku ds dkj .k gkus okys I v/yea/ gsrq tkM+dj fd; k tkuk pkfg, A
- 2- eM+ ca'kku ds vk/kkj dh pkmkbZ bl i'xkj gkus pkfg, fd eM+ ds , d rjQ ikuh bdVBk gkus ij gkbMksyd xFM, a/ ds QyLo: i I hist dk ikuh nH js rjQ 1/2 Downstream 1/2 ds Lyki ds Åij I s ckgj u fudyA tS k fd uhps fp= ea fn [kk; k x; k gS %&



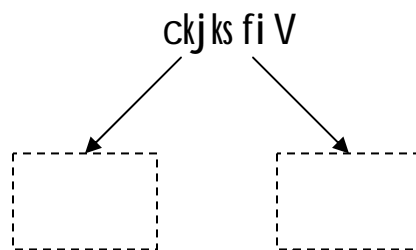


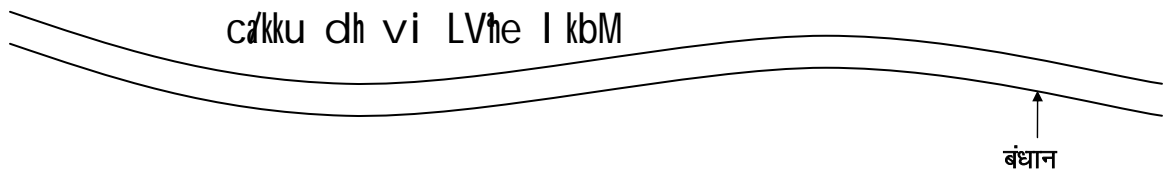
- 3- eM+ ca'kku ds Åij dh pMkbz l keU; r% 0-3 l s 0-6 ehVj j[kh tkuh pkfg,] rkfd vkneh rFkk tkuoj vkl kuh l s fudy l dA
- 4- eM+ ca'kku ds vk/kkj o Åij dh pMkbz rFkk Åpkbz fu/kkZjr gks tkus ij eM+ ca'kku ds l kbM Lyki vius vki fu/kkZjr gks tkrs gA

eM+ ca'kku ds fueZk gsrq enk dk; Z dh x.kuk

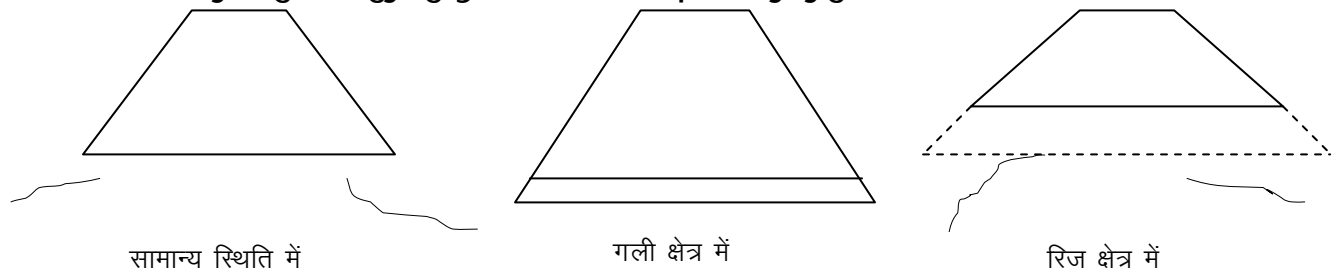
eM+ ca'kku fueZk ds l e; vU; egRoikZ ckar tks /; ku ea j[kk tkuk pkfg,] os fuEukuq kj gA %&

- 1- eM+ ca'kku ds fueZk ds iwZ pius l s bl dk ysvkmV vo'; fn; k tk; A iLrkfor ysvkmV ds l ca'k ea ykHkkFkhZ dh l gefr Hkh vo'; yh tk; A
- 2- [kr ds pkjka vksj cuk; s tkus okys eM+ ca'kku dk de l s de 1 fgLI k@Hkqt k [kr ds <ky ds ycor ¼Across the Slope½ cuk; h tkuh pkfg, A
- 3- eM+ ca'kku dh l Hkh Hkqt k; @fgLI s iwZ r% fuferr fd; s tkus pkfg,] fdl h Hkh fLFkfr ea blga v/kjk u NkMk tk; A
- 4- eM+ ca'kku fueZk ds fy, feVh ckjksi V l s fudkyh tkrh gA ; g ckjksi V de ,oa e/; e xgjh feVh ea eM+ ca'kku ds Åijh fgLI s ea cuk; s tkrs gA vR; r xgjh feVh ea ; g ckjksi V nkuka vksj gks l drs gA





- 5- ; g ckj kfi V चालू I s dN nij cuk; s tkus pkfg, rFkk buds chp ea txg NkMuk pkfg, A
- 6- eM+ चालू dh feVVh dk /kj eV I s dEi D'ku vo'; djuk pkfg, A I kbM Lyki dh feVVh dk dEi D'ku Hkh /kj eV I s djuk pkfg, A , s k djus I s jsu dVt ugha gkxA
- 7- [kr mCM+ [kkCM+ ½ Åpk&uhpk <ky½ gkus dh n'kk ea eM+ चालू dk vkdkj rneq kj vuqkr ea cnyk tkuk pkfg, A ; g /; ku j [kk tkuk pkfg, fd चालू dk Åijh fgLI k gj gky ea I eku Åpkbz ij jgsxA



- 8- चालू ds fueZ k ds i wZ ml dk y&vkmV vfuok; 1% fn; k tk; A
- 9- चालू dh feVVh ds LFkkf; Ro ds fy, bl ij ?kkd vFkok mi; Or iztkfr ds i kSkka dk jksi .k fd; k tkuk pkfg, A

eM+ चालू dk j [k j [kko %&

ca'kku ea vko' ; drkuđ kj l e; l e; ij l q'kkj o bl dk l e'pr j [k j [kko fd; k tkuk pkfg, A j [k j [kko l s l a'f/kr egRoi wkz fclnq fuEukuđ kj gđ %&

- 1- ca'kku ea tgka VW/ QW/ gpZ gđ ml s i q'fu/kk'fjr fMtkbZ vud kj l q'kkjk tk; A
- 2- cjl kr ds i kuh ds dkj .k ca'kku ij cuus okyh ukfy; ka dks rRdky Hkjk tkuk pkfg, A
- 3- ca'kku dh feVVh ds LFkkf; Ro ij fo' k's'k /; ku nsuk pkfg, A

2&ekftLuy , oa ij hQjy ca'k %

ekftLuy ; k ij hQjy ca'k Hkh l ekP; js[kk ij gh l keku; r% cuk; s tkrš gđ fdUrq budk fu; kstu chgM+ {ks= ea i Vy Hk'ie , oa dVko i Hkkfor Hk'ie ds e/; rFkk ukyka ds 'kh"lz ij ml ds c<ko dks jkdus ds fy, fd; k tkrk gđ l keku; r% bl dk dkl l Đ'ku 2-1 l s 3-60 oxžhVj j [kk tkrk gđ bu ca'kka l s i kuh mrkjus g'g' txg&txg ij Mki fLi yos ; k 'klv/ fLi yos dk fu; kstu djuk pkfg, A l ekP; js[kh; ca'kka dh rjg bu ij Hkh ?kkl jksi .k djuk pkfg, A

d0 l 0	ca'k	enk i xkj Vksi ksxkQh	fof' k"V; kW				
			' kh"lz ehVj	vk/kkj ehVj	A'p'kbZ ehVj	ctw dk <ky	dkl l Đ'ku oxZ eh0
3	ekftLuy , oa ij hQjy ca'k	eñkuh {ks=	0-60	3-60	1-00	1-5%	2-10
		chgM- {ks=	1-00	4-00	1-00	1-5%	2-50
		chgM+ {ks=	1-00	4-75	1-25	1-5%	3-60

3&ty Hkjko ca'k %

de o"kkz okys {ks=ka ea ty Hkjko ca'kka ; k cf/k; ka dk fuekZ k fd; k tkrk gđ bu cf/k; ka dk fu; kstu l ekP; js[kk ij u gkdj [kr ds fupys fgLI s ea i kuh jkdus ds mnñs ; dks n'Vxr j [krs gq fd; k tkrk gđ bu ca'kka dk dkl &l Đ'ku 1-50 l s 2-00 oxžhVj j [kk tkuk pkfg, A i kuh dks fudkyus g'g' buea i kbi Hkh Mkys tkrš gđ bu ca'kka ij Hkh vjgj vMh , oa jkbZ dh vPNh [krh dh tk l drh gđ

dD I D	cka/k	enk i zdkj Vksi ksxkQh	fof' k"V; kW				
			'kh"KZ ehVj	vk/kkj ehVj	ÅpbbZ ehVj	cktwdk <ksy	dkl I D'ku oxZ eh0
1	I cetDI cka/k	cDnsy [k.M {ks=	0-50	3-50	1-00	1-5%	2-00

4&I eryhdj.k , oa csp Vjfl æ %

I eryhdj.k dk dk; Z d"kdka ds [krks ea 1-0 I s 3-0 ifr'kr <ky rd fu; kftr djuk pkfg, A bl dk; Z ds fy, iR; sd [kr dk Lora= : Ik I s fxM I oZk.k fd; k tkrk gS rFkk ml h ds vk/kkj ij dVko , oa Hkjko dh feVVh dk vkadyu fd; k tkrk gA

I eryhdj.k gsrq [kr ds Åpbs Hkkx dh feVVh dks dkVdj fupys Hkkx ea Hkj fn; k tkrk gS rFkk fupys Hkkx ea I kStj cka/k cuk; k tkrk gS rkfd [kr iwKZ : Ik I s I ery jgA I kStj cka/k dk dkl I D'ku I kekl; r% 0-5 I s 0-6 oxZehVj j [kk tkrk gS fdUrq chgM+ {ks=ka ea bl s 0-81 oxZehVj rd j [kuk pkfg, A I eryhdj.k dk dk; Z djus I s dVkoXLr {ks= fodfl r I h<hupk [kr dk : Ik ys yrs gS ftuea fl pkbZ dh I fo/kk mi yC/k gkus ij Hkjij QI ya yh tk I drh gA o"kkZ ty dks [kr I s mrkjus gsrq ?kkI ; Or dPps ty fudkl rFkk NkV/s iDds ty fudkl cukuk pkfg, A bl h izdkj cka/kka ij , oa [kr ea tkus gsrq <kyw jiVh Hkh cukuk pkfg, A I eryhdj.k dk dk; Z vR; kf/kd [kphZyk g\$ vr% bl fu; kstu , oa fu"i knu vf/kd I ko/kkuh I s d"dk dh I gefr I s djuk pkfg, A

5&vojks/k cka/k %

vf/kd <ky okys dVkoXLr , oa chgM+ {ks=ka ds ukya ea budk fu; kstu fd; k tkrk gA ; s cka/k mFkys chgM+ rFkk [kjkg; Or {ks=ka ea nks fj t fclnqka dks feyk dj cuk; s tkrs gA A bu cka/kka ds I gkjs i kuh , oa feVVh dks jkd k tkrk gS rFkk , d fu/kkZjr ÅpbbZ ds Åij Okyrw i kuh dks fudkyus gsrq dPpk ; k i Ddk tS h Hkh fLFkr

gkj bejtšl h fli yos fn; k tkuk pkfg, vkš cf/k; ka ea i Ddh I ĵpuk dk Hkh fuekZ k djuk pkfg, ftuea vf/kd {k= dk ty viokg vkrk gS ; k ugj I s tMš gkrs gA i Ddh I ĵpuk ds fufeŕ dj nus I s cf/k; kll cMš tyk'k; dk : lk ys yrs gS ftul s vi , oa Mkm u LVhe ea fl pkbZ I fo/kk mi yC/k gks tkrh gA

xyh lyx dk fuekZ k Nkš/s vkdkj ds ukyka ij fd; k tkuk pkfg, ftuea FkkšMš {k= dk ikuh vkrk gA bu cka/kka ij i Ddh I ĵpuk dh dkbZ vko' ; drk ugha gksh cfYd I gh LFky ij fodfl r bejtšl h fli yos gh Qkyrw ikuh dks fudkyus grq i ; klr gkrs gA ?kkl jks .k djuk bu cka/kka dh I ĵ {kk ds fy, vko' ; d gA vjgj] vMh , oa ykgh dh Ql y Hkh buij Hkyh izdkj izdkj yh tkrh gA

vojks'kd cka/kka dh fof'k"V; kll fuEu izdkj j [kh tk; %&

i kuh dh xgjkBZ eh0	Qh cka/MZ eh0	ÅpkbZ eh0	'kh"KZ eh0	vk/kkj eh0	cktwdk <ky
0 I s 0-50 eh0	0-75	1-0 I s 1-25	1-0 I s 1-25	4-0 I s 5-0	1-5%
0-50 I s 1-0eh0	0-75	1-25 I s 1-75	1-50	6-5 I s 8-5	2-0%
1-0 I s 1-5 eh0	0-75 I s 1-00	1-75 I s 2-5	1-5 I s 2-0	8-5 I s 12-0	2-0%
1-5 I s 2-0 eh0	1-00	2-5 I s 3-0	2-50	12-5 I s 14-5	2-0%
2-0 I s 2-5 eh0	1-00	3-0 I s 3-5	3-00	18-0 I s 20-5	2-5%
2-5 I s 3-0 eh0	1-25	3-75 I s 4-25	3-00	21-75 I s 24-25	2-5%
3-0 I s 3-5 eh0	1-25	4-25 I s 4-75	3-00	28-5 I s 31-5	3-0%

6&ty I p; ca/kh %&

mijkDr cka/k cMš vkdkj ds ukyks ij ty I p; u grq fufeŕ fd; s tkrs gS rFkk buea fl pkbZ dk dk; Z Hkh fd; k tkrk gA dykck fl LVe dk Hkh fodkl dj nus I s ; s cka/k ty I p; ca/kh dk : i ys yrs gS bu cf/k; ks dk gkbMksykftdy fMtkbu djuk furklr vko' ; d gS vU; Fkk buds VW/us dh ijh I EHkkouk jgrh gS A buds fMtkbu , oa fof'k"V; ka ds fu/kkZ .k ds iWZ ty I eš {k= ty viokg ukys ds , y I D'ku , oa dkl

I D'ku ds vk/kkj ij /kjcryh; tkp]ty Muc {ks=} Hkfe mi ; ksx] o"kkZ dh I a'kurk] enk
izdkj] <ky rFkk vU; fooj.k iklr djuk furklr vko'; d gA iDdh I j'puk ds
I kFk&I kFk bejtU h fLi yos dks fMtkbu dj fufeZr djuk bu ca/k; ks dh I j {kk gsrq
egRoi wkZ gA

I ok eđ

i/kku@dk; bđe vf/kdkjh@ftyk dk; bđe I ello; d@ykbū foHkkx
 xte ipk; r -----
 fodkl [k.M -----
 ftyk -----

fo"K; % ifj; kstuk ds varxġr p; fur ykHkkfFkhZ grq Hkġie I qġkj ds dk; Z ds I cġk ea
 I ġrġrA

&&&&

ifj; kstuk ds varxġr ykHkkfFkZ; ka }kj k i ġrġr vkonu ds vuđ kj eġus LFky dk ij h{k.k
 ykHkkfFkhZ@ykHkkfFkZ; ka ds I e{k fnuġad @ @ dks fd; kA ykHkkfFkhZ@ykHkkfFkZ; ka dh
 I gefr mijġar fuEu foj.k vuđ kj Hkġie I qġkj ds dk; Z ds vuġknu dh vuđ ka k dh
 tkrh gS %&

Ø	ykHkkfFkhZ @ ykHkkfFkZ; ka ds uke	fir k@ ifr dk uke	xte	; kst ukar xġr Hkġie dk dġy j dck %gDV\$ j ½	[kl j k uġj	dk; Z; kst uk dk foj.k					; kst uk dh dġy ykxr
						eM+ dh yEckbz %ehVj ½	Aij dh pkMkbz %ehVj ½	Aġkbz %ehVj ½	dġy yġckbz %ehVj ½	; kst uk dk {k\$=Qy	

mijġDrkuđ kj dk; Z grq fu/kkġj r fMtkbū ds vk/kkj ij ykHkkfFkhZ okj i kDdyu I ayXu
 gA

I ayXu % mijġDrkuđ kj i kDdyuA

voj vfHk; Urk dk ijk uke rFkk gLrk{kj
 fodkl [k.M@ykbū foHkkx

ifj; kstuk dh fjikfVx grqizi =

ftyk%

fjikfVx ekg%

dz l a	fodkl [k.M dk uke	dy i klr vkonu i=ka dh l a; k	p; fur ykHkkfFkz; ka dh l a; k ftudk ikstDV Lohdr fd; k x; k	Lohdr dk; l dh dy ykxr	ykHkkfFkz; ka dh l a; k ftuds [krka ij Lohdr ifj; kstuk ijh dh xbz	dy de /kujkf'k 1/4y[k e1/2